SA-II- HINDI - QUESTION BANK- CLASS-9		
Name-	Roll No	Class-IX-

(खंड-१-पठन भाग)

प्र-१-नीचे दिए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

समाज में सर्वाधिक ताकत यदि किसी के पास है तो वह युवा वर्ग के पास है। लेकिन ताकत सदैव अग्नि के समान होती है और अग्नि के दो ही प्राकृतिक रूप विद्यमान हैं- एक रूप तो यह कि अग्नि जला सकती है इस कदर जला सकती है कि सारे विश्व को राख के ढेर में बदल दे और दूसरा रूप यह है कि अग्नि प्रकाश दे सकती है। यह इस कदर प्रकाशित कर सकती है कि सारे विश्व का अंधकार समाप्त कर दे। मनुष्य एक बुद्धिमान प्राणी है जो इन दोनों का प्रयोग अपने हित के लिए करना जानता है।यदि रोटी को बिना तवे की सहायता से सेंका जाए तो रोटी सिंक नहीं पाएगी बल्कि जल जाएगी। जिस प्रकार मनुष्य को रोटी बनाने के लिए तवे की ज़रूरत पड़ती है ठीक उसी प्रकार से ताकत का इस्तेमाल करने के लिए संयम की आवश्यकता होती है। जिस प्रकार तवा रोटी को जलने से बचाता है, रोटी को पकने में मदद करता है उसी प्रकार संयम ताकत का सही दिशा में प्रयोग करना सिखाता है। सृजन करने में मदद करता है। ताकत का आप जिस दिशा में प्रयोग करेंगे वह उसी दिशा मे रंग दिखाएगी किंतु इतना समझ लीजिए कि जिस प्रकार अग्नि को विनाशक बनाना आसान है, सृजनकर्ता बनाना कठिन है, उसी प्रकार ताकत के प्रयोग से विनाश करना आसान है लेकिन निर्माण करना अत्यंत मुश्किल।

प्र-१- समाज का सर्वाधिक शक्तिशाली वर्ग कौन-सा है?
प्र-२- अग्नि के दो रूपों से क्या तात्पर्य है?
प्र-३- ताकत का सही इस्तेमाल करने के लिए किसकी आवश्यकता होती है?
प्र-४- ताकत के प्रयोग से क्या-क्या आसान हो जाता है?
प्र-५- गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिये-

प्र-२-नीचे दिए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अपने इतिहास के अधिकांश कालों में भारत एक सांस्कृतिक इकाई होते हुए भी पारस्परिक यद्धों से जर्जर होता रहा। यहाँ के अनेक शासक अपने शासन-कौशल में धूर्त एवं असावधान थे। समय-समय पर यहाँ दुर्भिक्ष, बाढ़ तथा प्लेग के प्रकोप होते रहे जिससे हज़ारों व्यक्तियों की मृत्यु हुई। जन्मजात असमानता धर्मसंगत मानी गई। जिसके फलस्वरूप तथाकथित दबे-कुचले व्यक्तियों का जीवन अभिशाप बन गया।इन सबके होते हुए भी हमारा विचार है कि पुरातन संसार के किसी भी भाग में मनुष्य के मनुष्य से तथा मनुष्य के राज्य से ऐसे सुंदर एवं मानवीय संबंध नहीं रहे थे। किसी भी अन्य प्राचीन सभ्यता में गुलामों की संख्या इतनी कम नहीं रही, जितनी भारत में और न ही अर्थशास्त्र के समान किसी प्राचीन न्याय ग्रंथ ने मानवीय अधिकारों की इतनी सुरक्षा की। मनु के समान किसी अन्य प्राचीन स्मृतिकार ने युद्ध में न्याय के ऐसे उच्च आदर्शों की घोषणा भी नहीं की।प्राचीन भारत के युद्धों के इतिहास में कोई भी ऐसी कहानी नहीं हैं जिसमें नगर के नगर तलवार के घाट उतारे गए हों अथवा शांतिप्रिय नागरिकों का सामूहिक वध किया गया हो। असीरिया के बादशाहों की भयंकर क्रूरता जिसमें वे अपने बंदियों की खालें तक खिंचवा लेते थे। प्राचीन काल में पूर्णतः अप्राप्य है निसंदेह कहीं-कहीं क्रूरता एवं कठोरतापूर्वक व्यवहार था परंतु अन्य प्रारंभिक मानवीयता है।

प्र-१-एक सांस्कृतिक इकाई होते हुए भी भारत के इतिहास की क्या विशेषता रही है?
प्र-२-जन्मजात असमानता को धर्मसंगत मानने से नीचे कुल के व्यक्तियों का जीवन कैसा हो गया?
प्र-३-अर्थशास्त्र क्या है?
प्र-४-प्राचीन भारत में क्या अप्राप्य है?
प्र-५-हमारी किस सभ्यता की सर्वाधिक महत्वपूर्ण विशेषता है? कैसे?

प्र-३-नीचे दिए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

आपको किसी महत्वपूर्ण परीक्षा की तैयारी में क्या कठिनाई हो रही है? क्या ऐसा करने में समय की कमी महसूस हो रही है? अगर आपका जवाब 'हाँ' है तो आपको समय-प्रबंधन सीखने की ज़रूरत है। समय प्रबंधन किसी भी परीक्षा की तैयारी का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है।बहुत से परीक्षार्थी ऐसे हैं, जो परीक्षाओं की तैयारी देर से और बेहतरीन ढंग से शुरू करते हैं, जिससे उन्हें समयाभाव सबसे बड़े शत्रु की तरह दिखने लगता है। बिना समय-प्रबंधन के उस अनुपात में फायदा नहीं हो पाता, जिस अनुपात में आप मेहनत करते हैं। वास्तव में समय की गति को या उसके स्वभाव को मैनेज नहीं किया जा सकता, क्योंकि न तो इसे धीमा किया जा सकता है और न ही रोका जा सकता है।आप स्वयं को मैनेज करते हुए सिर्फ इसका सही उपयोग कर सकते हैं। वास्तविकता यही है। सबसे पहले आप यह निर्धारित करें कि आपका वर्तमान समय कैसे व्यतीत हो रहा है। आप पिछले एक सप्ताह के अपने कार्यकलाप को एक पेपर पर लिखकर देखिए कि आपने टाइम-टेबल का कितना और कैसा अनुसरण किया है। पूरे सप्ताह में कितने घंटे सेल्फ-स्टडी की है और आपका निर्धारित सिलेबस का कितना हिस्सा नहीं हो पाया है।एक बार पूरा विश्लेषण करने के बाद आप स्वयं को समय के हिसाब से बदलना शुरू कर सकते हैं। समय बचाने के लिए किसी विशेषज्ञ की टिप्स काम आ सकती है परंतु सबसे अधिक प्रभाव आपके निश्चय, समर्पण और समय नियोजन का रहेगा। समय-प्रबंधन आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और यह सफलता की दिशा में निर्णायक होगा

प्र-१-समय-प्रबंधन सीखने की ज़रूरत कब है?

प्र-२-समय के बारे में क्या सच है ?

प्र-३-समय का अभाव किसे शत्रु जैसा लगता है? क्यों?

प्र-४-समय-प्रबंधन से क्या बढ़ सकता/सकती है?

प्र-५-उचित शीर्षक लिखिए-

प्र-४- नीचे दिए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

दैनिक जीवन में हम अनेक लोगों से मिलते हैं जो विभिन्न प्रकार के काम करते हैं-

सड़क पर ठेला लगानेवाला, दूधवाला, नगर निगम के सफाई कर्मीए बस कंडक्टरए स्कूल अध्यापकए हमारा सहपाठी और ऐसे ही कई अन्य लोग। शिक्षा, वेतन, परंपरागत चलन और व्यवसाय के स्तर पर कुछ लोग निम्न स्तर पर कार्य करते हैं तो कुछ उच्च स्तर पर। एक माली के कार्य को सरकारी कार्यालय के किसी सचिव के कार्य से अति निम्न स्तर का माना जाता है, किन्तु यदि अपने कार्य को कुशलतापूर्वक करता है और उत्कृष्ट सेवाएँ में ढिलाई बरतता है तथा अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह नहीं करता। क्या आप ऐसे सचिव को एक आदर्श अधिकारी कह सकते हैं? वास्तव में पद महत्वपूर्ण नहीं हैं, बल्कि महत्वपूर्ण होता है कार्य के प्रति समर्पण भाव और कार्य-प्रणाली में पारदर्शिता।

इस सन्दर्भ में गाँधीजी धीजी से उत्कृष्ट उदाहरण और किसका दिया जा सकता है, जिन्होंने अपने हर कार्य को गरिमामय मानते हुए किया। वे अपने सहयोगियों को श्रम की गरिमा की सीख दिया करते थे। दक्षिण अफ्रीका में भारतीय लोगों के लिए संघर्ष करते हुए उन्होंने सफाई करने जैसे कार्य को भी कभी नीचा नहीं समझा और इसी कारण स्वयं उनकी पत्नी कस्तूरवा से भी उनके मतभेद हो गए थे।

बाबा आमटे ने समाज द्वारा तिरस्कृत कृष्ट रोगियों की सेवा में अपना समस्त जीवन समर्पित कर दिया। सुन्दरलाल बहुगुणा ने अपने प्रसिद्ध चिपको आन्दोलन के माध्यम से पेड़ों को संरक्षण प्रदान किया। फादर डेमियन ऑफ मोलोकाई, मार्टिन लूथर किंग और मदर टेरेसा - जैसी महान आत्माओं ने इसी सत्य को ग्रहण किया।

इनमें से किसी ने भी कोई सत्ता प्राप्त नहीं की, बल्कि अपने जनकल्याणकारी कार्यों से लोगों के दिलों पर शासन किया। गाँधी जी का स्वतंत्रता के लिए संघर्ष उनके जीवन का एक पहलू है, किन्तु उनका मानसिक क्षितिज वास्तव में एक राष्ट्र की सीमाओं में बंधा हुआ नहीं था। उन्होंने सभी लोगों में ईश्वर के दर्शन किए। यही कारण था कि कभी-किसी पंचायत तक के सदस्य नहीं बनने वाले गाँधीजी की जब मृत्यु हुई तो अमेरिका का राष्ट्रध्वज भी झुका दिया गया था|

प्र-१-उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

प्र-२-विभिन्न व्यवसाय करनेवाले लोगों के समाज में निम्न स्तर और उच्च स्तर को किस आधार पर तय किया जाता है?

प्र-३-एक माली तथा सफाई कमी का कार्य किसी सचिव के कार्य से बेहतर कैसे माना जा सकता है?

प्र-४-वास्तव में पद महत्वपूर्ण नहीं है", बल्कि महत्वपूर्ण होता है कार्य के प्रति समर्पण भाव और
कार्यउपर्युक्त पंक्तियों को अपने शब्दों में समझाइए "प्रणाली में पारदर्शिता।-|

प्र-५-उस संदर्भ का उल्लेख कीजिए जिसके कारण गाँधीजी का अपनी पत्नी से मतभेद हो गया था|

प्र-५-नीचे दिए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्राचीन काल में जब धर्म - मजहबे समस्त जीवन को प्रभावित करता था, तब संस्कृति के बनाने में उसका भी हाथ था; किन्तु धर्म के अतिरिक्त अन्य कारण भी सांस्कृतिक-निर्माण में सहायक होते. थे। आज मजहब का प्रभाव बहुत कम हो गया है। अन्य विचार जैसे राष्ट्रीयता आदि उसका स्थान ले रहे हैं। राष्ट्रीयता की भावना तो मजहबों से ऊपर है। हमारे देश में दुर्भाग्य से लोग संस्कृति को धर्म से अलग नहीं करते हैं.। इसका कारण अज्ञान और हमारी संकीर्णता है। हम पर्याप्त मात्रा में जागरूक नहीं हैं।

हमको नहीं मालूम है कि कौन-कौन-सी शक्तियाँ काम कर रही हैं और इसका विवेचन भी ठीक से नहीं कर पाते कि कौन-सी मार्ग सही है? इतिहास बताता है कि वही देश पतनोन्मुख हैं जो युग-धर्म की उपेक्षा करते हैं और परिवर्तन के लिए तैयार नहीं हैं। परन्तु हम आज भी अपनी आँखें नहीं खोल पा रहे हैं। परिवर्तन का यह अर्थ कदापि नहीं है कि अतीत की सर्वथा उपेक्षा की जाए। ऐसा हो भी नहीं सकता। अतीत के वे अंश जो उत्कृष्ट और जीवन-प्रद हैं उनकी तो रक्षा करनी ही है; किन्तु नये मूल्यों को हमको स्वागत करना होगा तथा वह आचार-विचार जो युग के लिए अनुपयुक्त और हानिकारक हैं, उनका परित्याग भी करना होगा।

प्र-१-मजहब का स्थान अब कौन ले रहा है ?

प्र-२-हमारे देश में संस्कृति और धर्म को लेकर क्या भ्रम

प्र-३-इतिहास के अनुसार कौन-से देश पतन की ओर जाते

प्र-४-गद्यांश को उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

प्र-५-उपेक्षा' का विलोम शब्द लिखिए।

प्र-६-निम्नलिखित गद्यांश को पद्गकर प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

आपको किसी महत्वपूर्ण परीक्षा की तैयारी में क्या कठिनाई हो रही है? क्या ऐसा करने में समय की कमी महसूस हो रही है? अगर आपका जवाब 'हाँ' है तो आपको समय-प्रबंधन सीखने की ज़रूरत है। समय प्रबंधन किसी भी परीक्षा की तैयारी का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है।बहुत से परीक्षार्थी ऐसे हैं, जो परीक्षाओं की तैयारी देर से और बेहतरीन ढंग से शुरू करते हैं, जिससे उन्हें समयाभाव सबसे बड़े शत्रु की तरह दिखने लगता है। बिना समय-प्रबंधन के उस अनुपात में फायदा नहीं हो पाता, जिस अनुपात में आप मेहनत करते हैं। वास्तव में समय की गति को या उसके स्वभाव को मैनेज नहीं किया जा सकता, क्योंकि न तो इसे धीमा किया जा सकता है और न ही रोका जा सकता है।आप स्वयं को मैनेज करते हुए सिर्फ इसका सही उपयोग कर सकते हैं। वास्तविकता यही है। सबसे पहले आप यह निर्धारित करें कि आपका वर्तमान समय कैसे व्यतीत हो रहा है। आप पिछले एक सप्ताह के अपने कार्यकलाप को एक पेपर पर लिखकर देखिए कि आपने टाइम-टेबल का कितना और कैसा अनुसरण किया है। पूरे सप्ताह में कितने घंटे सेल्फ-स्टडी की है और आपका निर्धारित सिलेबस का कितना हिस्सा नहीं हो पाया है।एक बार पूरा विश्लेषण करने के बाद आप स्वयं को समय के हिसाब से बदलना शुरू कर सकते हैं। समय बचाने के लिए किसी विशेषज्ञ की टिप्स काम आ सकती है परंतु सबसे अधिक प्रभाव आपके निश्चय, समर्पण और समय नियोजन का रहेगा। समय-प्रबंधन आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और यह सफलता की दिशा में निर्णायक होगा|

प्र-१-समय-प्रबंधन सीखने की ज़रूरत कब है?

प्र-२-समय के बारे में क्या सच है ?

प्र-३-समय का अभाव किसे शत्रु जैसा लगता है? क्यों?

प्र-४-समय-प्रबंधन से क्या बढ़ सकता/सकती है?

प्र-५-उचित शीर्षक लिखिए-

प्र-७-नीचे दिए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

जब बहुत सुबह चिड़िया उठकर,
कुछ गीत खुशी के गाती हैं।

कलियाँ दरवाज़े खोल-खोल,
जब झुरमुट से मुसकाती हैं।
खुशबू की लहरें जब घर से,
बाहर आ दौड़ लगाती हैं,
हे जग के सिरजनहार प्रभो!
तब याद तुम्हारी आती है!!
जब छम-छम बूंदें गिरती हैं,
बिजली चम-चम कर जाती है।
मैदानों में, वन-बागों में,
जब हरियाली लहराती है।
जब ठंडी-ठंडी हवा कहीं से,
मस्ती ढोकर लाती है।
हे जग के सिरजनहार प्रभो!
तब याद तुम्हारी आती है!!

प्र-1.काव्यांश का मूलभाव स्पष्ट कीजिए।
प्र-2.सवेरे-सवेरे खुशी के गीत कौन गाती हैं ?
प्र-3.'कलियाँ दरवाज़े खोल-खोल, जब झुरमुट से मुसकाती हैं, में निहित अलंकार का नाम लिखिए।
प्र-4.प्रातः काल को मनोरम बनाने में हवा का योगदान स्पष्ट कीजिए।
प्र-5.ठंडी हवा चलने से पहले वातावरण में हुए परिवर्तनों का उल्लेख कीजिए।

प्र-८-नीचे दिए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क्षमा शोभती उस भुजंग को
जिसके पास गरल हो।
उसको क्या, जो दंतहीन
विषहीन विनीत सरल हो।
तीन दिवस तक पंथ भागते
रघुपति सिंधु किनारे।
बैठे पढ़ते रहे छंद
अनुनय के प्यारे-प्यारे।
उत्तर में जब एक नाद भी
उठा नहीं सागर से
उठी अधीर धधक पौरुष की
आग राम के शर से।
सिंधु देह धर 'त्राहि-त्राहि'
करता आ गिरा शरण में।
सच पूछो तो शर में ही
बसती है दीप्ति विनय की
संधि-वचन संपूज्य उसी का
जिसमें शक्ति विजय की .

प्र-1.क्षमा करना किस भुजंग को शोभा देता है ?
प्र-2.'विषहीन विनीत सरल हो' में निहित अलंकार का नाम बताइए।
प्र-3.किसके संधि वचन संपूज्य होते हैं ?

प्र-4.समुद्र की मर्यादा बनाए रखने हेतु राम ने क्या किया? इसका समुद्र पर क्या असर हुआ?
प्र-5.राम के शर से पौरुष की ला कब धधक उठी? इसका क्या परिणाम रहा?

(खंड-२-व्याकरण)

प्र-२-१- निम्नलिखित वर्ण-विच्छेदन से शब्द बनाइए-

प् + अ + र् + इ + च् + अ + य् + अ=
र् + इ + ष् + अ + भ् + अ=
प् + ऋ + थ् + अ + क् + अ=
क् + ऋ + प् + आ=
ग् + अ + ङ् + ग् + आ=
क् + अं(अ + म्) + ब् + अ + ल् + अ=
प् + अ + म् + प् + अ=
च् + अं(अ + न्) + द् + र् + अ=
ठ् + अं + इ् + अ + क् + अ=
ध् + व् + अ + स् + त् + अ
न् + अं + द् + इ + न् + ई
न् + अ + क् + क् + आ + श् + ई
न् + इ + र् + उ + प् + अ + म् + अ
न् + आ + स् + त् + इ + क् + अ
न् + इ + स् + त् + अ + ब् + ध् + अ
न् + ऋ + त् + य् + अ
प् + उ + ष् + प् + अ
प् + र् + अ + ध् + आ + न् + अ

२-निम्नलिखित शब्दों में से उस शब्द को चुनिए जिनमें अनुस्वार का प्रयोग होता है-

सगति	दाव	पडित	महगाई
पजाब	पाव	सास	सभावना
आच	सुदर	पाचवा	निमत्रण
सूघना	ससार	सभव	धुआ
सावला	आनद	डाट	दाव
ढग	यात्रिक	पाच	गाव
गाठ	चदन	महगाई	माग
साराश	लाघना	सास	सभव
पाव	सूघना	वसत	रीतिया

३-उचित स्थान पर लगे अनुनासिक वाले शब्द छाँटिए

काँखा	आँगन	नँदन	मक
प्रसँग	अँधेरा	चूंघट	व्यँजन
हँगामा	अभिनंदन	छंटनी	उमँग
पँडित	सुंदर	सूंघना	दाँत

सायँ	जंजीर	चाँदनी	आँख
खुंखार	साझ	बासुरी	धुंधला
पाच	छूट	आवला	फादना

४-निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग अलग करिए-

बावजूद,	निस्संकोच	वाकायदा,	प्रतिक्षण
प्रहार,	अनभिज्ञ	दुर्भाग्य,	अधखिला
सुरक्षा,	आशंका	दुर्वचन,	सद्गति
आग्रह,	विगत	निराधार,	प्रतिद्वंद्वी
निश्चल,	चिरायु	परिवर्तन,	उपस्थित
विशिष्ट,	लाजवाब	सुयश,	उत्पाद
संयोग,	प्रगति	उपहार,	बेजान
उद्घाटन,	निश्चय	अतिरिक्त,	सत्कार
धार्मिक,	खुशमिज़ाज़	विचित्र,	प्रतिशत
लाइलाज	सत्कार	अनुसंधान	प्रत्युत्तर

५-निम्नलिखित प्रत्ययों से दो-दो शब्दों की रचना कीजिए

आई ……………. ……………..ता ……………. …………….. दार ……………. ……………..

ईय ……………. ……………..त्व ……………. …………….. मान ……………. ……………..

कार ……………. ……………..इक ……………. ……………..ई ……………. ……………..

पन ……………. ……………..आपा ……………. ……………..आलु ……………. ……………..

आहट ……………. ……………..इत ……………. ……………..आस ……. … …. ….. …….

६-<u>संधि अभ्यास</u>

Q.1 गायक शब्द में कौनसी संधि है ?

(a) यण (b) अयादि (c) गुण (d) वृध्दि

Q.2 'संधि' शब्द में कौनसी संधि है ?

(a) स्वर (b) व्यंजन (c) विसर्ग (d) इनमें से कोई नहीं

Q.3 गुण संधि का उदाहरण है ?

(a) कृष्णावतार (b) विद्‌यालय (c) सर्वोपरि (d) रवीन्द्र

Q.4 यण संधि का उदाहरण है?

(a) एकैक (b) व्यर्थ (c) भवन (d) विद्‌यालय

Q.5 अधि+अक्ष=?

(a) अधीच्छ (b) अधीक्ष (c) अधच्छ (d) अध्यक्ष

Q.6 उच्छ्वास का सही संधि-विच्छेद है ?

(a) उत्+श्वास (b) उत्+छवास (c) उच्+शवास (d) उच्+छवास

Q.7 सत्याग्रह का सही संधि-विच्छेद है ?

(a) सत्या+ग्रह (b) सत+आग्रह (c) सत्य+ग्रह (d) सत्य+आग्रह

Q.8 वागीस का संधि विच्छेद होगा ?

(a) वाग्+ईश (b) वाक्+ईश (c) वाग+ईश (d) वक्+ईश

Q.9 संयम का सही संधि विच्छेद है ?

(a) सम्+वच (b) सम्+यम (c) समय+म (d) स+म्यम

Q.10 भगवद्भजन में कौन सी संधि है ?

(a) व्यजंन (b) स्वर (c) विसर्ग (d) दीर्घ

Q.11 चन्द्रोदय में कौन सी संधि है ?

(a) गुण (b) दीर्घ (c) यण् (d) वृद्धि

Q.12 मनोयोग में कौन सी संधि है ?

(a) स्वर (b) व्यंजन (c) यण् (d) विसर्ग

Q.13 बृहट्टीका में कौन सी संधि है ?

(a) स्वर (b) विसर्ग (c) व्यंजन (d) इनमें से कोई नहीं

Q.14 पवित्र का संधि विच्छेद है ?

(a) पत्र+इत्र (b) पौ+इत्र (c) पवः+इत्र (d) पो+इत्र

Q.15 पर्यावरण शब्द का संधि-विच्छेद कौन सा है ?

(a) पर्या+वरण (b) परिध+आवरण (c) परि+आवरण (d) परिधि+आवरण

Q.16 सज्ज़न में कौन सी संधि है ?

(a) व्यजंन (b) विसर्ग (c) स्वर (d) दीर्घ

Q.17 घुड़दौड़ का सही संधि-विच्छेद हैं ?

(a) घोड़ा+दौड़ (b) घुड़+दौड़ (c) घोड़+दौड़ (d) इनमें कोई नहीं

Q.18 संधि कितने प्रकार के होते है ?

(a) दो (b) चार (c) एक (d) तीन

Q.19 इनमें कौन सा संधि शब्द सही है -

(a) दिक् +मंडल -दिग्मंडल (b) अन् +ऋत -अनृत

(c) मातृ +इच्छा -मातृच्छा (d) देवी +अवतरण -देव्यावतरण

Q.20 इनमें से कौन सा संधि शब्द सही है -

(a) एक + एक - एकेक (b) रवि + इन्द्र - रविन्द्र

(c) अति + अधिक - अत्याधिक (d) वर्षा + ऋतु - वर्षर्तु

Q-21 'उज्ज्वल 'का सन्धि पद होगा?

(a(उज् +ज्वल (b(उत्+ज्वल (c(उत+:ज्वल (d(उ+:ज्वल

Q-22 पवन शब्द का संधि विच्छेद होगा ।

(a) पव +वन (b) पो +अन (c) पौ +अन (d) पव +न

Q-23 सम्मोहन का संधि विच्छेद होगा

(a) स+मोहन (b) सम्+मोहन (c) सम+मोहन (d) स+:मोहन

Q-24 मृदा +औषधि से बनने वाला सही शब्द है?

(a) मृदौषधि (b) मृदोषधि (c) मृदौषधी (d) मृदौषधि

Q-25 इनमें से किस विकल्प में सही संधि-विच्छेद है -

(a) अपेक्षा =अपि +ईक्षा (b) सरोज =सर + ओज

(C) पावक =पौ +अक (d) जगन्नाथ =जग +नाथ

७-निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न का प्रयोग करते हुए दोबारा लिखिए|

1. लोगों ने मिस्टर शर्मा को एम पी चुन लिया
2. सुभाष चंद्र बोस ने कहा तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा
3. क्या प्रधानाचार्य आज नहीं आए हैं
4. तुलसी ने रामचरित मानस में लिखा है परहित सरसि धर्म नहिं भाई
5. तुम कौन हो कहाँ रहते हो क्या करते हो यह सब मैं क्यों पूछू

6. बूढ़े ने डॉक्टर चड्ढा से कहा इसे एक नज़र देख लीजिए शायद बच जाए
7. कामायनी कवि जयशंकर प्रसाद की प्रसिद्ध कृति है
8. उस कवि सम्मेलन में रामधारी सिंह दिनकर, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जैसे कई महान कवि आए थे
9. वसंत ऋतु के त्योहार होली वसंत पंचमी वैसाखी हमें उल्लास से भर जाते हैं
10. हाय फूल सी कोमल बच्ची हुई राख की थी ढेरी
11. क्या कहा तुम अनुतीर्ण हो गए
12. रोहन 125 राजौरी गार्डन दिल्ली में रहता है
13. यह पत्र 25 जुलाई 2014 को लिखा गया है
14. हिंदी कविता की सुंदर पंक्ति है जिसके कारण धूलि भरे हीरे कहलाए
15. नीचे को धूरि समान वेद वाक्य नहीं है
16. धूल धूलि धूली धूरि आदि व्यंजनाएँ अलग अलग हैं
17. एक आदमी ने घृणा से कहा क्या ज़माना है जवान लड़के को मरे पूरा दिन नहीं बीता और यह बेहया दुकान
18. लगा के बैठी है
19. दूसरे साहब कह रहे थे जैसी नीयत होती है अल्ला भी वैसी ही बरकत देता है
20. कल जिसका बेटा चल बसा आज वह बाज़ार में सौदा बेचने चली है हाय रे पत्थर-दिल
21. कर्नल खुल्लर मेरी ओर मुड़कर कहने लगे क्या तुम भयभीत थीं
22. नहीं मैंने बिना किसी हिचकिचाहट के उत्तर दिया
23. 9-तुमने इतनी बड़ी जोखिम क्यों ली बचेंद्री
24. 10-साउथ कोल पृथ्वी पर बहुत अधिक कठोर जगह के नाम से प्रसिद्ध है
25. 11-चलो चलते हैं मैंने कहा
26. 12-गांधी जी कहते थे-महादेव के लिखे नोट के साथ थोड़ा मिलान कर लेना था न
27. 13-रामन ने बी ए और एम ए दोनों ही परीक्षाओं में काफी ऊँचे अंक हासिल किए
28. 14-यह जिज्ञासा उनसे सवाल कर बैठी आखिर समुद्र का रंग नीला ही क्यों होता है कुछ और क्यों नहीं

(खंड-३-साहित्य भाग)

प्र-३-निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए-

पाठ-१-

१-किसी व्यक्ति की पोशाक को देखकर हमें क्या पता चलता है?

२-खरबूज़े बेचनेवाली स्त्री से कोई खरबूजे क्यों नहीं खरीद रहा था?

३-उस स्त्री को देखकर लेखक को कैसा लगा?

४-बुढ़िया को कोई भी क्यों उधार नहीं देता?

पाठ-२-

६-अग्रिम दल का नेतृत्व कौन कर रहा था?

७-लेखिका को सागरमाथा क्यों अच्छा लगा?

८-लेखिका को ध्वज जैसा क्या लगा?

९-हिमस्खलन से कितने लोगों की मृत्यु हुई और कितने घायल हुए?

१०-मृत्यु के अवसाद को देखकर कर्नल खुल्लर ने क्या कहा?

पाठ-३-

. ११-अतिथि कितने दिनों से लेखक के घर पर रह रहा है?

१२-.कैलेंडर की तारीखें किस तरह फड़फड़ा रही हैं?

१३-.पति-पत्नी ने मेहमान का स्वागत कैसे किया?

१४-दोपहर के भोजन को कौन-सी गरिमा प्रदान की गई?

१५-सत्कार की ऊष्मा समाप्त होने पर क्या हुआ?

पाठ-४-

१६-रामन भावुक प्रकृति प्रेमी के अलावा और क्या थे?

१७-समुन्द्र देखकर रामन के मन में कौन-सी दो जिज्ञासा उठी?

१८-रामन के पिटा ने उनके मन में किन विषयों की सशक्त नीव डाली?

पाठ-८-

१८-महादेव भाई अपना परिचय किस रूप में देते थे?

१९-महादेव भाई के झोलों में क्या-क्या भरा रहता था?

पाठ-९-

२०--पहले पद में भगवान और भक्त की जिन-जिन चीजों से तुलना की गई है, उनका उल्लेख कीजिए।

२१--दूसरे पद में कवि ने 'गरीब निवाजु' किसे कहा है? स्पष्ट कीजिए।

२२--"रैदास' ने अपने स्वामी को किन-किन नामों से पुकारा है?

पाठ-१०-

२३-प्रेम का धागा टूटने पर पहले की भांति क्यों नही हो पाता है?

२४-अवध नरेश को चित्रकूट क्यों जाना पडा ?

पाठ-१३-

२५-नदी का किनारों से कुछ कहते हुए बह जाने पर गुलाब क्या सोचता है?

२६-जब शुका गाता है ,तब शुकी के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

पाठ-१४-

२७-कवि ने अग्निपथ किओसके प्रतीक रूप प्रयोग किया है?

२८-;एक पत्र छांह भी मांग मत'इस पंक्ति का क्या आशय है?

पाठ-३०-

२९-नये बसते इलाकों में कवि रास्ता क्यों भूल जाता है?

३०-कविता में कौन-कौन से पुराने निशानों का उल्लेख किया गया है?

३१-खुश्बू रचने वाले हाथ कैसी परिस्थितयों में कहाँ रहते है?

३२-कविता में कितने तरह के हाथों का वर्णन किया है?

प्र-४-निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए-

पाठ-१-

१-पोशाक हमारे लिए कब बंधन और अड़चन बन जाती है?

३-भगवाना अपने परिवार का निर्वाह कैसे करता था?

४- बुढ़िया के दुख को देखकर लेखक को अपने पड़ोस की संभ्रांत महिला की याद क्यों आई?

पाठ-२-

५-नज़दीक से एवरेस्ट को देखकर लेखिका को कैसा लगा?

६-लेखिका को किनके साथ चढ़ाई करनी थी?

७-साउथ कोल कैंप पहुँचकर लेखिका ने अगले दिन की महत्त्वपूर्ण चढ़ाई की तैयारी कैसे शूरू की?

पाठ-३-

८-लेखक अतिथि को कैसी विदाई देना चहाता था?

९-एक देवता और मनुष्य दोनों अधिक देर तक एक साथ नही रहते ? क्यों ?

पाठ-४-

१०-वाद्ययंत्रों पर की गईखोजों से रांम ने कौन-सी भ्रान्ति तोड़ने की कोशिश की?

११-रांम के लिए नौकरी सम्बंधित कौन -सा निर्णय कठिन था?

पाठ-८-

१२-महादेवभाई की अकाल मृत्यु का कारणक्या था?

१३-महादेव भाई के लिखे नोट के विषय में गांधीजी क्या कहते थे?

पाठ-९-

१४-रैदास द्वारा रचित 'अब कैसे छूटे राम नाम रट लागी' को प्रतिपाद्य लिखिए।

१५-रैदास ने अपने 'लाल' की किन-किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?

१६-कवि रैदास ने किन-किन संतों का उल्लेख अपने काव्य में किया है और क्यों?

पाठ-१०-

१७-सुई और धागे का उदाहरण देकर कवि क्या सन्देश देना चाहते है?

१८-किस तरह के लोग चित्रकूट आते है?क्यों ?

पाठ-१३-

१९-प्रेमी के गीतों का प्रेमिका पर क्या प्रभाव पड़ता है?

२०-'गीत-अगीत कविता की दुविधा क्या है?

पाठ-१४-

२१-अग्निपथ कविता के अनुसार मनुष्य को किस प्रकार आगे बढना चाहिए?

पाठ-१४-

२२-'नए इलाके में - कवि ने शहरों की किस विडंबना की ओर संकेत किया है?

२३-समय बहुत कम है तुम्हारे पास, आ चला पानी ढ़हा आ रहा अकास, शायद पुकार ले कोई पहचाना ऊपर से देखकर|क्या अर्थ है?

२४-जहाँ अगरबत्तियाँ बनती हैं, वहाँ का माहौल कैसा होता है?

२५-कविता में कितने तरह के हाथों की चर्चा हुई है?

प्र-५-निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए-

१- जैसे वायु की लहरें कटी हूई पतंग को सहसा भूमि पर नहीं गिर जाने देतीं उसी तरह खास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हमें झुक सकने से रोके रहती है।

२- शोक करने, गम मनाने के लिए भी सहूलियत चाहिए और ... दुखी होने का भी एक अधिकार होता है।

३- एवरेस्ट जैसे महान अभियान में खतरों को और कभी-कभी तो मृत्यु भी आदमी को सहज भाव से स्वीकार करनी चाहिए।

४- बिना उठे ही मैंने अपने थैले से दुर्गा माँ का चित्र और हनुमान चालीसा निकाला। मैंने इनको अपने साथ लाए लाल कपड़े में लपेटा, छोटी-सी पूजा-अर्चना की और इनको बरफ़ में दबा दिया। आनंद के इस क्षण में मुझे अपने माता पिता का ध्यान आया।

५- अतिथी को जाने के लिए लेखक ने किस-किस तरह के संकेत दिए?

६- देश -दुनीया को मन मुग्ध करके शुक्रतारे की तरह एक दिन अचानक अस्त हो गए? वर्णन स्पष्ट करिए|

७- रैदास द्वारा रचित दूसरे पद 'ऐसी लाल तुझ बिनु कउनु करै' को प्रतिपाद्य लिखिए।

८- रहीमदास मन की व्याथा मन ही में रखने को क्यों कहते है?

९- आपके अनुसार गीत और अगीत क्या है स्पष्ट करिए|

१०- अग्निपथ कविता के अनुसार जीवन किस प्रकार जीना चाहिए |

११- नए इलाके कविता में कवि किन इलाकों का वर्णन कर रहे हैं और क्यों?

१२- खुश्बू रचे हाथ का वर्णन अपने शब्दों में करिए|

संचयन

१-गिल्लू की किन चेष्टाओं से यह आभास मिलने लगा था कि अब उसका अंत समय समीप है?
२-प्रभात की प्रथम किरण के स्पर्श के साथ ही वह किसी और जीवन में जागने के लिए सो गया'का आशय स्पष्ट कीजिए।
३-सोनजुही की लता के नीचे बनी गिल्लू की समाधि से लेखिको के मन में किस विश्वास का जन्म होता है?
४-पाठ के आधार पर कौए को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी क्यों कहा गया है?
५-भाई के बुलाने पर घर लौटते समय लेखक के मन में किस बात का डर था?
६-सांप का ध्यान बंटाने के लिए लेखक ने काया-क्या युक्तियाँ अपनाई ?उल्लेख करिए|
७-'उनाकोटी का अर्थ स्पष्ट करिए ?यह स्थान आज किस नाम से प्रसिद्द है?
८-कल्लू कुम्हार की उनकोटी'पाठ के लेखक ने त्रिपुरा में कहाँ-कहाँ शूंटिंग की?
१०-शीव की सबसे बड़ी आधार मूर्ति के बारे में बताइए|
११-लेखक का आपरेशन करने में सर्जन क्यों हिचक रहे थे?
१२-लेखक को किताबे खरीदने और सहजने का शौक कैसे लगा?
१३-माँ लेखक की पढाई को लेकर क्यों चिंतित रहती थीं?
१४-माँ अपनी संतान को दुखी न्नाही देख सकती | मान का दिल तो आखिर मान का दिल होता है|
'मेरा निजी पुस्तकालय' पाठ के उदाहरण का उल्लेख करिए|
१५-मेरा छोटा सा निजी पुस्तकालय के आधार से लेखक छात्रों को क्या सन्देश देना चाहते हैं?

प्र-४-लेखन-

१-अनुच्छेद लेखन-

पृथ्वी का रक्षक : अदृश्य ओजोन

संकेत---ओजोन परत क्या है?
मनुष्य की प्रगति और ओजोन परत
ओजोन नष्ट होने का कारण
ओजोन बचाएँ जीवन बचाएँ।

मनुष्य और प्रकृति का अनादिकाल से रिश्ता है। प्रकृति ने मनुष्य की सुरक्षा के लिए अनेक साधन प्रदान किए हैं। इनमें से एक है-ओजोन की परत। पृथ्वी पर जीवन के लिए जो भी अनुकूल परिस्थितियाँ हैं, उन्हें बनाए और बचाएँ रखने में ओजोन अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। पृथ्वी पर चारों ओर वायुमंडल का उसी तरह रक्षा करता है जिस तरह बरसात से हमें छाते बचाते हैं। इसे पृथ्वी का रक्षा कवच भी कहा जाता है।

मनुष्य ज्यों-ज्यों सभ्य होता गया त्यों-त्यों उसकी आवश्यकताएँ बढ़ती गईं। बढ़ती जनसंख्या की भोजन और आवास संबंधी आवश्यकता के लिए उसने वनों की अंधाधुंध कटाई की जिससे धरती पर कार्बन डाईऑक्साइड की मात्रा बढ़ी। कुछ और विषाक्त गैसों से मिलकर कार्बन डाईऑक्साइड ने इस परत में छेद कर दिया जिससे सूर्य की पराबैगनी किरणें धरती पर आने लगीं और त्वचा के कैंसर के साथ अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ गया।

इन पराबैगनी किरणों को धरती पर आने से ओजोन की परत रोकती है। ओजोन की परत नष्ट करने में विभिन्न प्रशीतक यंत्रों में प्रयोग की जाने वाली क्लोरो प्लोरो कार्बन का भी हाथ है। यदि पृथ्वी पर जीवन बनाए रखना है तो हमें ओजोन परत को बचाना होगा। इसके लिए धरती पर अधिकाधिक पेड़ लगाना होगा तथा कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन कम करना होगा|

1-विद्यार्थी जीवन:-जीवन निर्माण का काल, विद्ध्यार्थी के लक्षण ,विद्ध्यार्थी के कर्तव्य
2-सच्चा मित्र:-मित्रता की आवश्यकता ,मित्र के गुण ,सावधानियां,सच्चा मित्र कौन
३--परिश्रम का महत्त्व -संकेत बिंदु-परिश्रम का अर्थ, विकास और सफलता, निष्कर्ष

४-पर्यावरण प्रदूषण-संकेत बिंदु-पर्यावरण का स्वरूप और अर्थ, प्रदूषण के कारण, प्रदूषण के प्रकार,उपाए व् समाधान |

५--वन हमारे मित्र -का सम्बन्ध-संकेत-बिंदु:-* वन-प्रदूष्ण -निवारण में सहायक * वनों कि उपयोगिता *वनों को बचाने कि आवश्यकता *उपाय

६ -समाज में नारी की बदलती भूमिका-*भूमिका *प्राचीन काल में नारी की स्थिति *आधुनिक काल की नारी *नारी में बढ़ता आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता |

२-पत्र-लेखन-

प्रधानाध्यापक को छुट्टी के लिए आवेदन / विद्यालय में छुट्टी के लिए आवेदन

सेवा में

श्रीमान प्रधानाध्यापक,

अबज उच्च माध्यमिक विद्यालय,

उत्तर प्रदेश

दिनांक : ----------

विषय : दो दिनों की छुट्टी के संबंध में

महोदय,

सविनय विनम्र निवेदन है कि पिछले कुछ दिनों से मैं लगातार बुखार व जुकाम से पीड़ित हूँ। ऐसे में डॉक्टर ने मुझे परामर्श के तौर पर अगले दो दिनों तक आराम करने के निर्देश दिए हैं। इस कारण से दिनांक ---------- से लेकर दिनांक ---------- तक मैं कक्षा से अनुपस्थित रहूँगा।

अतः श्रीमान से निवेदन है कि मेरे खराब स्वास्थ्य और चिकित्सीय परामर्श को ध्यान में रखते हुए, मुझे दो दिनों की छुट्टी देने की कृपा की जाए। इसके लिए मैं आपका सदा आभारी रहूँगा।

आपका आज्ञाकारी

राकेश कुमार

कक्षा ९

१-अपने जन्म दिन पर मिले तोहफ़े के लिए धन्यवाद देते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए|

२-आपको स्कुल की ओर से प्रवास ले जा रहे हैं| अपने पिताजी से अनुमति मांगते हुए एक पत्र लिखिए

३-आपके क्षेत्र में बढ़ते डेंगू और चिकनगुनिया पर चिंता व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी जी को पत्र लिखिए|

४-बस में छूटे सामान हेतु अहमदाबाद परिवहन निगम के प्रबंथक को पत्र लिखिए|

५--आप के क्षेत्र में सरकारी व्यायाम शाला (जिम) में सही उपकरण न होने से लोगों का यहाँ आना कम हो गया है ,अत: नगर विकास अधिकारी को एक शिकायती पत्र लिखिए|

६-अपने जन्मदिन पर मिले तोहफ़े के लिए धन्यवाद देते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए|

३--विज्ञापन-

1. अपने विद्यालय की संस्था 'पहरेदार' की ओर से जल का दुरुपयोग रोकने का आग्रह करते हुए लगभग 30 शब्दों में एक विज्ञापन का आलेख तैयार कीजिए।

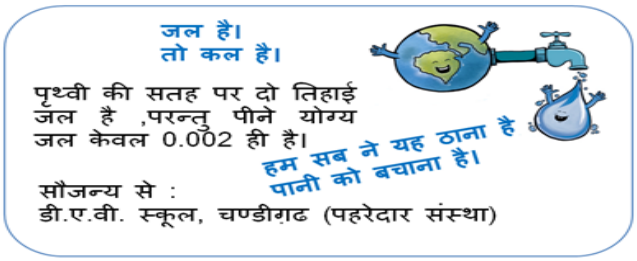

2. विद्यालय की कलाविथि में कुछ चित्र (पेंटिंग्स) बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इसके लिए एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

3. हिंदी की पुस्तकों की प्रदर्शनी में आधे मूल्य पर बिक रही महत्तवपूर्ण पुस्तकों को खरीदकर लाभ उठाने के लिए लगभग 25-30 शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए।

४-संवाद-लेखन -

उदा-अपनेअपने जीवन लक्ष्य के बारे में दो मित्रों की बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।-

उत्तरः

रंजन बारहवीं के बाद तुमने क्या सोचा है !मित्र चंदन -?

चंदन मैंने तो अपना लक्ष्य पहले से ही तय कर रखा है। मैंने !मित्र रंजन -डॉक्टर बनने के लिए पढ़ाई भी शुरू कर दिया

रंजन डॉक्टर ही क्यों -?
चंदन मैं डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करना चाहता हूँ। -
रंजन पर सेवा करने के तो और भी तरीके हैं -?
चंदन तड़पते मरीज के चेहरे पर मुसकान लौटाकर वापस भे-पर मुझे यही तरीका पसंद है। डॉक्टर ही रोते -जते हैं।
रंजन पर कुछ डॉक्टर का भगवान का दूसरा रूप नहीं कहा जा सकता है -?
चंदन पर मैं सच्चा डॉक्टर बनकर दिखाऊँगा पर तुमने क्या सोचा है -, अपने जीवनलक्ष्य के बारे में?
रंजन डॉक्टर-पर इतनी मेहनत तो अपने वश की नहीं। सुना है -, इंजीनियर बनने के लिए बड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है जो मेरे वश की नहीं।
चंदन पर बिना मेहनत सफलता कैसे पाओगे -? रंजनमैं नेता बनकर देश सेवा करना चाहता हूँ।-
चंदन तूने ठीक सोचा है। हल्दी लगे न फिटकरी -, रंग बने चोखा।
रंजन नेता बनना भी आसान नहीं है। तुम्हारे लक्ष्य के लिए शुभकामनाएँ। -

१-गाँव से कुछ दूरी पर रेलगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई है, दो मित्र वहाँ पीड़ितों की सहायता के लिए जाना चाहते हैं। उनके मध्य हुए संवाद का लेखन कीजिए।
२-बाढ़ आने से कई गाँव जलमग्न हो गए हैं। दो मित्र उनकी सहायता के लिए जाना चाहते हैं। उनके बीच हुए संवाद का लेखन कीजिए।
३-बिजली की बारबार कटौती से उत्पन्न स्थिति से परेशान महिलाओं की बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।-
४-परीक्षा के एक दिन पूर्व दो मित्रों की बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।
५-नए विद्यालय में अपने पुत्र का दाखिला दिलवाने गर अभिवावक और प्रधानाचार्य के मध्य हुए वार्तालाप का संवाद लेखन कीजिए।
६-नोटबंदी से परेशान दो लोगों की बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।
६-भारत और पकिस्तान के बीच खेले गए प्रथम एक दिवसीय मैच के संबंध में दो मित्रों की बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।

५-चित्र वर्णन -

यह चित्र दीपावली के त्योहार का है। यह त्योहार खुशियों का प्रकाश का त्योहार कहलाता है। चित्र में एक घर है जिसके सामने एक पंक्ति में दिए जल रहे हैं। घर के सामने एक बड़ा-सा मैदान है जहाँ बच्चे दीवाली का त्योहार मनाते दिखाई दे रहे हैं। दो बच्चे एक-दूसरे को मिठाई खिला रहे हैं। पास में एक लड़की खुशी से चहकती हुई मिठाई लेने के लिए हाथ बढ़ा रही है। उनके पीछे एक बच्चा अनार छुड़ाकर उसमें से निकलती रोशनी को देखकर खुश हो रहा है। दो बच्चे (शायद भाई बहन) पटाखे को छुड़ाने की तैयारी में हैं। पूरा चित्र खुशी की झलक दे रहा है।

जन-जन ने हैं दीप जलाए, लाखों और हजारों ही
धरती पर आकाश आ गया, शोभा लिए सितारों की।

यह दृश्य किसी महानगर के चौराहे का है। लाल बत्ती होने के कारण गाड़ियाँ रुकी हुई हैं। फुटपाथ पर एक बच्चा एक वृद्ध महिला को सड़क पार करवा रहा है। एक व्यक्ति अपने स्कूटर को आधे फुटपाथ तक ले आया है यह नियम के विरुद्ध है यातायात के लिए बनाए गए नियमों का पालन न करने से ही दुर्घटनाएँ होती हैं। कुछ लोग हरी बत्ती होने का इंतजार नहीं करते और गाड़ी दौड़ाकर ले जाते हैं। ऐसा करते समय गाड़ियाँ परस्पर टकरा जाती हैं और दुर्घटना हो जाती है। अतः वाहन चलाते समय यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए।

6.